Drishti Mentorship Program Mains-2023

ESSAY-2

निर्धारित समय: 3 घंटे
Time allowed: 3 Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Jatin Kumar **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Email:**

Center & Date: Online – 31.07.2023 **UPSC Roll No.:**

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

	Essay Topic No.	Marks
Section-A	–	70
Section-B		52
(Grand Total)		122

Evaluator (Signature)

Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency
2. Introduction Proficiency
3. Content Proficiency
4. Language/Flow
5. Conclusion Proficiency
6. Presentation Proficiency

---

www.drishtiias.com

Contact: 8750187501, 8448485517

Copyright – Drishti The Vision Foundation

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

Q 1. (3) सूचना लोकतंत्र की मुद्रा है।

विशाखा का परिवार सदियों से राजस्थान के सुदूर पश्चिम में थार मरुस्थल में रहता आया है। वहाँ के गाँवों में घर अत्यधिक फैले हुए एवं दूर-दूर पाये जाते हैं। विशाखा ने देखा है कि उसकी माँ अन्य महिलाओं समेत पानी लेने के लिए कई किमी. दूर तक जाती है जिससे दैनिक कार्य सम्पन्न होते हैं। विशाखा के गाँव में सरकारी योजनाओं की अति-न्यून पहुँच है।

समय धीरे-धीरे परिवर्तित हो रहा है एवं वहाँ मोबाइल टावर लगना प्रारम्भ हुए हैं। विशाखा ने पहली बार मोबाइल देखे हैं जिनसे वह अपनी सहेलियों एवं रिश्तेदारों से बात करने में सक्षम हुई है। यू-ट्यूब के माध्यम से वह नयी-नयी पाक-कलाएँ एवं तकनीक सीख रही है। वह ग्रामीण जीवन को इंस्टाग्राम एवं यू-ट्यूब पर दिखाती है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भूमिका अच्छी है। लेकिन इसे संक्षेप में लिखें।

विशाखा के परिवार में किसी ने भी ऐसी तकनीक नहीं देखी थी। यह सब उनके लिए किसी अचम्भे से कम नहीं था किन्तु विशाखा ने धीरे-धीरे सब सीख लिया।

एक दिन विशाखा गूगल पर पानी की समस्याओं से निपटने के उपाय खोज रही थी जिस पर उसे भारत सरकार के जल जीवन मिशन के बारे में पता चला। अपनी क्रियात्मक गतिविधियों एवं किसी तरह मोबाइल से विभागों तक सम्पर्क करके समस्या पहुँचाई। कुछ दिनों बाद विशाखा के गाँव में प्रत्येक घर में जल के नल लगने प्रारम्भ हो गये।

यह काल्पनिक कहानी विशाखा की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता, सूचनाओं तक पहुँच एवं सरकार से समस्या समाधान की अपेक्षा को बयान करती है जिसके फलस्वरूप गाँव के लोगों की विकास प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ी एवं सामाजिक न्याय सुनिश्चित हुआ। सूचनाओं तक पहुँच ने लोकतंत्र के मूल को स्थापित करने में सहयोग किया।

राजनीतिक परिदृश्य में व्यक्ति किस तरह से सूचनाओं तक पहुँचेगा एवं अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेगा, इस हेतु सभी सरकारें समयानुरूप प्रतिबद्ध रही हैं जिसका परिणाम आर॰टी॰ आई॰ जैसे अधिनियम एवं सिटीजन चार्टर जैसी नैतिक बाध्यताएं हैं।

RTI के माध्यम से लोग, अप्रदर्शित सूचना को लोक प्राधिकरणों से प्राप्त कर सकते हैं जिसके आधार पर शिकायत एवं समस्या समाधान की अपेक्षा की जा सकती है। RTI ने लाभार्थियों के प्रति सरकारी संस्थाओं को जवाबदेही एवं पारदर्शित बनाकर लोकतंत्र को मजबूत किया है।

सभी लाभार्थियों की सेवा तक बेहतर पहुँच एवं सेवा डिलीवरी की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग की नवीन पहल सिटीजन चार्टर उल्लेखनीय कदम है। इसके माध्यम से लोगों को सेवाओं की समयबद्ध डिलीवरी सुनिश्चित हुई है। सेवोत्तम के एक घटक के रूप में सिटीजन चार्टर द्वारा नागरिक अपने अधिकारों के प्रति अधिक जागरूक हुए हैं अपनी भागीदारी में वृद्धि की है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

लोकतंत्र में सभी लोगों की समानता एवं समान अवसर प्रदान करने की व्यवस्था की जाती है। भारतीय संविधान में अनु॰ 14-18 में समानता के अधिकारों का पुष्ट वर्णन किया गया है।

विभिन्न रोजगारों के तरीके, समान अवसर, समान पहुँच एवं समान बुनियादी ढाँचे की उपलब्धता वर्तमान लोकतंत्र में प्रदान की गयी है जिसमें सबसे महत्वपूर्ण तत्व है सूचना। सूचना की प्राप्ति के आधार पर सभी नागरिकों को अपना व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता है।
उदा॰ - अनु॰ 19(1)(g) के अनुसार

कार्यक्षेत्र पर सभी को समान कार्यों के लिए समान वेतन की अवधारणा का जन्म हुआ है। पुरुष, महिला एवं LGBTQ समुदायों के लिए विविध कानूनों की उपलब्धता जिसके आधार पर वे अपने अधिकारों की माँग करते हैं। सूचना के आधार पर ही समावेशी विकास की संकल्पना सिद्ध हो सकती है एवं लोकतंत्र निर्माण एवं विकास में समान भागीदारी को जन्म देती है।
उदा॰ - वेतन संहिता

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

सामाजिक स्तर पर विभिन्न समुदायों - महिला व LGBTQ, SC व ST आदि के साथ पूर्व में मतभेद एवं मनभेद दृष्टिगोचर हुए हैं किन्तु आज सभी समुदाय एवं वर्ग अपने अधिकारों की रक्षा हेतु आवाज उठा सकते हैं।

वैश्वीकरण के कारण सूचनाओं की बाढ़ आ गयी है जिसका प्रभाव सामाजिक ढाँचे में परिवर्तन एवं सामाजिक सोच तथा नवीन संस्थाओं के रूप में देखने को मिला है। लिव-इन-रिलेशनशिप को सामाजिक मान्यता प्राप्त हुई है एवं इस तरह जन्मे बच्चे को सभी अधिकार प्राप्त होते हैं। इसके अलावा हाल ही में नवतेज जौहर मामले में समलैंगिकता को भी गैर-अपराध घोषित किया है।

नवीन सूचना क्रांति के कारण नागरिकों के व्यवहार में परिवर्तन हुआ है एवं वे सामान्यतः एक शिशु उत्पादन तक सीमित रहते हैं, बाल विवाहों में कमी आयी है एवं महिलाओं की श्रम शक्ति में भागीदारी (लगभग 27%) धीरे-धीरे बढ़ी है। मातृ मृत्यु दर (97 प्रति लाख), शिशु मृत्यु दर (30 प्रति हजार) एवं लिंगानुपात (940 प्रति 1000 पुरुष) में दृष्टेय परिवर्तन मिला है। इस कारण लोगों की जागरूकता में वृद्धि एवं लोकतंत्र सुदृढ़ हुआ है।

(Please do not write anything except the question number is this space) कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

इसी तरह आज के तकनीकी युग ने सूचनाओं तक व्यक्ति की पहुँच को आसान बना दिया है। कम्प्यूटर एवं इन्टरनेट पर प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार स्थापित हो गया है। (फहीमा शिरीन केस)

इन्टरनेट एवं 4G के आगमन से सोशल मीडिया साइटों तक पहुँच, सरकारी वेबसाइटों तक पहुँच, सरकारी नीतियों में अपनी राय का प्रदर्शन सब में वृद्धि हुई है। AI ने इस क्रांति को कई गुना कर दिया है। नागरिकों के पास असीमित सूचनाएँ उपलब्ध हैं।

जैसे - ट्विटर पर समस्या समाधान एवं आपातकाल में इन्टरनेट का अत्यधिक उपयोग

सूचनाओं के सिक्के के द्वितीय पक्ष की ओर साइबर अपराध, पोर्नोग्राफी, महिला शोषण, ऑनलाईन ठगी, फेक न्यूज आदि देखने को मिले हैं जिन्होंने लोकतंत्र को कमजोर किया है। हर 6 में से 1 व्यक्ति किसी न किसी तरह साइबर खतरे का शिकार हुआ है। साथ ही इसने रोजगार के नये अवसर खोजे हैं एवं हमारे निबन्ध की कहानी की पात्र विशाखा की अत्यन्त सहायता की है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

विभिन्न देश भौगोलिक रूप से एक दूसरे से पृथक हैं। सीमाओं ने देश बाँट रखे हैं किन्तु उपग्रह प्रणाली द्वारा सुदूर संवेदन प्रक्रिया से सुदूरतम स्थानों तक सूचना संप्रेषण सम्भव हुआ है।

किसानों के पास सूचना के अभाव में उन्हें मानसून, रासायनिक उर्वरक, सरकारी सिंचाई योजनाओं के बारे में अत्यल्प जानकारी थी जिस कारण उनकी उत्पादकता अति न्यून एवं कृषक आय कम थी जिसके परिणामस्वरूप महाराष्ट्र जैसे राज्यों में भी किसान आत्महत्या कर रहे थे।

संचार व सूचना के युग में मृदा स्वास्थ्य कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, अर्ली वार्निंग सिस्टम, मोबाइल फोन पर आपातकाल के लिए समय रहते चेतावनी सन्देश पहुँचने लगे हैं जिससे किसान अपनी फसल की उत्पादकता एवं अपनी आय बढ़ाने में सफल हुए हैं। किसान संगठन अपनी आवाज उठाने एवं नीतियों के स्वयं के पक्ष में क्रियान्वयन में भी सफल हुए हैं। जैसे - हाल के 3 कृषि कानूनों को सरकार द्वारा निरस्त किया जाना।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

अतीत से ही मानव एवं पर्यावरण के मध्य सकारात्मक सम्बन्ध रहा है किन्तु विकास की भागदौड़ में हम पर्यावरण विनाश के प्रति असंवेदनशील हो गये हैं।
उदा॰ - चिपको आन्दोलन एवं बिश्नोई समुदाय द्वारा पर्यावरण संरक्षण

मद्रास उच्च न्यायालय के अनुसार, "प्रकृति भी जीवित जीव है एवं इसके भी अधिकार एवं कर्त्तव्य हैं।" यह निर्णय इसलिए आ सका क्योंकि हमें अपनी गतिविधियों के नकारात्मक परिणामों का अन्देशा हो गया है। जैसे - जलवायु परिवर्तन से हाल में उत्तर भारत में अत्यधिक वर्षा, आर्कटिक प्रवर्धन आदि।

सूचना एवं उचित आँकड़ों के अभाव में मानव ने प्रत्यक्षत: एवं अप्रत्यक्षत: प्रकृति को नुकसान पहुँचाया है। हमें भैराराम भाखर से सीखने की आवश्यकता है जिन्होंने रेगिस्तान को भी हरा-भरा बना दिया। पद्म श्री तुलसी गौड़ा जिन्होंने पेड़ों की अपने बच्चों की तरह देखभाल की - एनसाइक्लोपेडिया ऑफ फोरेस्ट। सूचना की पहुँच ने लोगों को अपनी जवाबदेहिता सुनिश्चित करने एवं सोचने पर मजबूर किया है।

व्यक्ति के पास उपलब्ध सूचनाएँ व्यक्ति तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए इन्हें सब तक पहुँचाने की जरूरत है ताकि एक विशेष तबके तक सूचनाओं का अभाव ना हो एवं लोकतंत्र सुदृढ़ हो सके।

एक चिकित्सक की यह नैतिक बाध्यता होती है कि वह रोगी को उचित से उचित उपचार उपलब्ध करवाए एवं किसी दवा के साइड इफेक्ट्स के बारे में उसे पूर्ण सूचना दे। सूचनाओं की प्राप्ति होने पर व्यक्ति को निष्पक्ष एवं गैर-तरफदारी पूर्वक निर्णय लेने चाहिए।

सम्बन्धित व्यक्ति तक सूचना पहुँचाने में एक डाकिए की नैतिकता का परीक्षण होता है कि वह उचित समय में उचित व्यक्ति तक वह सूचना पहुँचा दे। व्यक्ति को सूचनाएँ सीमितता पर जोर देने की बजाय सूचना प्रसारण पर जोर देना चाहिए किन्तु फेक न्यूज के बारे में सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

उदा० किसी व्यक्ति द्वारा गवाह के तौर पर न्यायालय के समक्ष सभी सूचनाएं प्रकट कर देना

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

इतिहास में भी सूचनाओं की प्राप्ति, गलत सूचना आदि के अन्तर्द्वन्द्व में व्यक्ति के समक्ष परिणाम प्रभावित हुए हैं।

सिकन्दर द्वारा भारत पर आक्रमण करने के दौरान उसकी सेना भारतीय जलवायु एवं भारतीय राजा के युद्ध-कौशल से अपरिचित थी अत: उन्होंने भारत में प्रवेश करना अनुचित समझा।

अंग्रेजो द्वारा भारत में राजस्व एकत्र करने की अनेक प्रक्रियाएं अपनाई गयी - इज्जारेदारी, स्थायी बंदोबस्त, महालवाड़ी एवं रैय्यतवाड़ी किन्तु कोई भी पूर्ण रूपेण सफल नहीं हो पायी क्योंकि जमींदार सत्य सूचना ब्रिटिश अधिकारियों तक नहीं पहुँचाते थे अर्थात सही सूचना के अभाव में नीतियाँ उचित रूप में क्रियान्वित नहीं हो पायी और ना ही उस क्षेत्र का विकास हो पाया।

जैसे - प्लेटो के अनुसार -

"बच्चे के अंधकार से डर को समाप्त किया जा सकता है किन्तु उस डर का क्या जब व्यक्ति प्रकाश से डरने लगे।"

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

महात्मा गाँधी के अनुसार 'लोकतंत्र, विधायी प्रक्रिया ना होकर नैतिक प्रक्रिया है जिसमें एक-दूसरे के विचारों का सम्मान होता है एवं विकेन्द्रीकरण की प्रक्रिया होती है।"

हमारी काल्पनिक कहानी की नायिका विशाखा सूचना की प्राप्ति के बल पर ही परिवर्तन लाने में सक्षम होती है एवं लोकतंत्र में प्रभावशाली भागीदारी की द्योतक बनती है। अत: यह निश्चित ही सत्य है कि सूचना ही आधुनिक लोकतंत्र की मुद्रा है। अधिकतर दार्शनिकों ने लोकतंत्र को विकेन्द्रीकरण का उपकरण माना है जिससे सामाजिक न्याय स्थापित किया जा सके। कहा जा सकता है कि -

"जहाँ एक चारपाई टूटी ना हो,
जहाँ, माँ, बेटी से रूठी ना हो,
जहाँ मैं से बढ़कर हम हो जाये,
जहाँ सरकारें झूठी ना हों।
उस लोकतंत्र की चाहत है॥
उस लोकतंत्र की चाहत है॥"

अच्छा प्रयास है।

70/125

Q 2 (?)

मुफ़्त उपहारों की सदैव एक कीमत चुकानी पड़ती है।

मालिनी एक अच्छे घर में पैदा हुई थी। समय के साथ जब वह बड़ी हुई तो उसे महसूस हुआ कि वह अन्य लड़कियों जैसी भावनाएं नहीं रखती है बल्कि वह LGBTQ समुदाय से सम्बन्ध रखती है। जब उसने यह बात अपने माता-पिता को बताई तो वे बहुत क्रोधित हुए।

मालिनी को बहुत दुःख हुआ क्योंकि इस सबमें उसकी कोई गलती नहीं थी किन्तु उसके परिवार के लोगों का उसके प्रति व्यवहार देखकर वह और ज्यादा टूट गयी। उसे स्वयं पर घिन आने लगी और धीरे-धीरे उसे अवसाद ने जकड़ लिया किन्तु मालिनी को यह अच्छी तरह मालूम था कि ऐसे समय में उसे हिम्मत नहीं हारनी चाहिए व परिस्थितियों का डटकर मुकाबला करना चाहिए।

श्रीलंका संकट से शुरू कर सकते थे

एक रात उसने मन बनाकर घर छोड़ दिया एवं कहीं दूर जाने के लिए रेलवे स्टेशन पर इंतजार करने लगी। उसे वहाँ LGBTQ समुदाय के लोग भीख माँगते दिखे तो उसने उनसे पूछ ही लिया कि क्या उन्हें कोई रोजगार नहीं मिलता? इस तरह मालिनी उनसे घुल-मिल गयी एवं उनके साथ रहने लगी।

मालिनी पढ़ी-लिखी थी अत: वह एक कम्पनी में रोजगार के लिए साक्षात्कार देने गयी किन्तु उसके लिंग विन्यास के कारण उसे रोजगार देने से मना कर दिया अत: वह फिर से भीख माँगकर अपना गुजारा करने लगी।

यह कहानी हमें यह बताती है कि किस तरह लोगों की सोच में यह बसा हुआ है कि LGBTQ समुदाय के लोग केवल भीख माँगकर गुजारा कर सकते हैं। इस समुदाय की भीख माँगने की प्रक्रिया ने इनके प्रति रोजगार-प्रदाताओं में अनिच्छा का भाव भर दिया है जिस कारण ये कौशल युक्त होकर भी रोजगार नहीं प्राप्त कर पाते अर्थात इनको अपने जीवन-यापन के बदले माँगी गये उपहार ने इनकी कौशल क्षमता को ढक दिया।

काल्पनिक भूमिका लिखने के विकल्प को ध्यान में रखें। रोचक एवं कम शब्दों में भूमिका लिखने का प्रयास करें।

छोटी भूमिका लिखने का प्रयास करें।

भूमिका निबंध के Topic के साथ भी तरह से सुसम्बद्ध नहीं है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

कोहलबर्ग के अनुसार परिवार में बच्चे की परवरिश भिन्न-भिन्न तरीके से की जा सकती है किन्तु यदि परिवार में एक ही बच्चा है तो चीन के जैसे - 6 पॉकेट सिन्ड्रोम प्रभाव देखने को मिलता है।

बचपन में बच्चे की प्रत्येक इच्छा को पूरी कर देने से उसका नैतिक, बौद्धिक एवं मानसिक विकास नहीं हो पाता अतः समयान्तराल में जब उसे मनचाही नौकरी अथवा मनचाहा पद नहीं मिलता तो वह अवसाद ग्रस्त हो जाता है जिसकी कीमत कई बार वह आत्महत्या कर चुकाता है।

इसी तरह शादी में वधू पक्ष द्वारा वर पक्ष को दिये गये उपहारों में कई बार दुपहिया अथवा चौपहिया वाहन भी होते हैं। बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं की चपेट में कई बार ये लोग भी आ जाते हैं।

अच्छे उदाहरण नहीं हैं।

उदा. - भारत में प्रतिदिन 415 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं।

अतः सामान्य उपहार की कीमत भविष्य में चुकानी पड़ सकती है।

समाज में जब व्यक्ति उच्च पद एवं प्रतिष्ठा को प्राप्त कर लेता है तो वह गैर-नैतिक कार्यों में लिप्त होने लगता है। चाणक्य के अनुसार - "समुद्र में कोई मछली कितना पानी पियेगी, पियेगी अथवा नहीं यह बता पाना कठिन है।"

अपनी अल्पकालिक तुच्छ इच्छाओं की प्राप्ति के लिए जब व्यक्ति भ्रष्टाचार करने लगता है तो वह अपनी भौतिकतावादी प्रवृत्ति का प्रदर्शन करता है किन्तु दीर्घकाल में वह आत्मसंतुष्ट नहीं हो पाता क्योंकि इच्छाओं का कोई अन्त नहीं है।
उदा. - "जैसा बोओगे वैसा काटोगे"

इस तरह की तुच्छ इच्छाओं को सिग्मंड फ्रायड ने ईड कहा है जो तात्कालिक सुख देती हैं जबकि व्यक्ति का लक्ष्य सुपर ईगो - अधिकतम लोगों का भला होना चाहिए। ऐसा देखा भी गया है कि प्रकृति सब कुछ संतुलित कर देती है। किसी व्यक्ति द्वारा गैर-कानूनी तरीकों से कमाया गया धन व्यर्थ ही जाता है एवं उसे नरक भोगना पड़ता है - इहलोक में अथवा परलोक में।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भारतीय राजनीति के सन्दर्भ में भी यह कथन सिद्ध होता है कि मुफ्त उपहारों की सदैव एक कीमत चुकानी पड़ती है। भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा जनता को मुफ्त में सेवा प्रदान करने को रेवड़ी कल्चर कहा गया जिसका अन्ततः प्रभाव राज्य व देश के राजकोषीय स्थायीत्व पर पड़ता है।

आम चुनावों के दौरान मतदाता द्वारा ईमान के आधार पर नहीं बल्कि धन लेकर एवं जाति देखकर अपना वोट डाला जाता है जिसका प्रभाव अगले पाँच साल तक उस क्षेत्र की दुर्गति एवं विकास की अनुपलब्धता के रूप में देखने को मिलता है।

संसद में किसी सदस्य को मुफ्त में मंत्रिपरिषद की सीट दिये जाने का आशय है कि उस पार्टी के सदस्यों द्वारा नीतियों का पूर्ण रूप से समर्थन किया जायेगा चाहे वे जनता के लिए लाभदायक हों अथवा नहीं। इस मुफ्तखोरी का प्रभाव जनता को भुगतना पड़ेगा।

इन्टरनेट ने भी नित-नये सामाजिक एवं मानसिक द्वन्द्वों को जन्म दिया है। इंटरनेट पर सोशल मीडिया एवं यू-ट्यूब के माध्यम से सूचनाएं मुफ्त प्राप्त होती हैं किन्तु आपसी घृणा, द्वेष एवं फेक न्यूज के रूप में इसकी कीमत चुकानी पड़ती है।

तकनीकी के प्रयोगों ने GM फसलों तक किसानों की पहुँच बढ़ा दी है जो प्रारम्भ में किसानों तक सीमित लागत में उपलब्ध कराये जाते हैं किन्तु इसका पर्यावरणीय प्रभाव अधिक होता है।

4G के आगमन के समय मुफ्त बातचीत व डाटा बाँटा गया था किन्तु इससे कम्पनियों की आपसी प्रतिस्पर्धा समाप्त हो गयी एवं एकाधिकार की स्थापना हुई जिसका दूरगामी प्रभाव बढ़े हुए मोबाइल बिल, कौशल में कमी एवं अधिकतम समय मोबाइल पर गुजारने जैसे शारीरिक एवं मानसिक दबावों के रूप में हुआ।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भारत भौगोलिक दृष्टि से अत्यन्त विस्तारित देश है जिसके सभी भागों में विकास सुनिश्चित करना अपने आप में एक कठिन प्रक्रिया है। पर्यटन को बढ़ाने के कारण प्राकृतिक संतुलन को प्रभावित करना, जिसका प्रभाव उत्तराखंड में लैण्ड सिंकिंग के रूप में देखने को मिला।

NE में अत्यधिक वर्षा होती है किन्तु उचित रखरखाव के अभाव में सारा पानी बह जाता है जिससे यहाँ पानी की कमी देखने को मिलती है। निर्वनीकरण द्वारा जमीन निकालकर उस पर खेती की जा रही है किन्तु इससे दूरगामी मृदा अपरदन एवं जलवायु परिवर्तन जैसे प्रभाव देखने को मिलते हैं।

मत्स्यपालन सस्ता व सुलभ होने के कारण अत्यधिक लाभप्रद माना गया किन्तु इसने दीर्घकाल में पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट किया है एवं मछलियों की अनेक प्रजातियां लुप्त हो गयी।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC
Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

अत्यधिक संसाधन उपयोग ने संसाधनों की मात्रा एवं गुणवत्ता में कमी की है।
जैसे - जल की मात्रा एवं गुणवत्ता में कमी।

अपने लाभ के लिए मानव द्वारा वनों का प्रयोग किया गया, वन्य जीवों का शिकार किया जिसका प्रभाव यह हुआ कि भारत में 21.71% भूमि पर वन है एवं शेर जैसे जीव केवल गिर उद्यान में पाये जाते हैं। मानव धीरे-धीरे नीलगायों को खत्म कर रहा है जिससे पारिस्थितिकी तंत्र समाप्त हो जायेगा।

मानव के लिए कोयला एक सुलभ एवं सस्ता संसाधन था (भारत में गोंडवाना काल का कोयला) जिसका सीमा से अत्यधिक उपयोग किया गया जिसके परिणामस्वरूप समुद्री जल स्तर में लगभग 0.7 m. की वृद्धि एवं तापमान में 1°C की वृद्धि हुई है। जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण प्रदूषण देखने को मिला है।

सत्ता प्राप्ति पर संसाधनों का निजी उपयोग भी देखा जाता है जैसे- सरकारी सामान का निजी उपयोग, अथवा सरकारी सामान को घर ले जाना। मुफ्त रूप में प्राप्त ये संसाधन व्यक्ति को अपनी सम्पत्ति लगते हैं किन्तु यह भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है।

इस तरह संसाधनों के दुरुपयोग से संसाधनों का ह्रास होता है एवं लक्षित लाभार्थी तक संसाधन नहीं पहुँच पाते जिससे समावेशी एवं धारणीय विकास की संकल्पना साकार नहीं होगी एवं संसाधनों का केन्द्रीकरण होने लगेगा।

अतः नैतिक रूप में हमें अपनी सत्ता का लोगों के हितों की पूर्ति के लिए उपयोग किया जाना चाहिए। अल्प समय में सुलभ संसाधनों की उचित तरीके से धारणीय उपयोग की सुनिश्चितता एवं स्वयं को उस संसाधन का ट्रस्टी समझना चाहिए गाँधीजी का ट्रस्टीशिप सिद्धान्त।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

इतिहास में भी ऐसे परिदृश्य सामने आये जब मुफ्त में मिले उपहारों के बदले भविष्य में कीमत चुकाई गयी।

रूस व जर्मनी के मध्य समझौते के अन्तर्गत पोलैण्ड का कुछ हिस्सा रूस व कुछ हिस्सा जर्मनी के द्वारा अपने हिस्से में ले लिया गया किन्तु द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी ने सर्वप्रथम पोलैण्ड पर आक्रमण किया एवं रूस की आंतरिक सीमा में घुस गया जिसका प्रभाव USA व UK द्वारा II WW में भागीदारी के रूप में देखने को मिला।

इसी तरह लॉर्ड क्लाइव जब भारत से गया तो उसके पास अकूत धन सम्पदा थी जो उसने भ्रष्टाचार द्वारा कमायी थी। इसके लिए उस पर ब्रिटेन में अभियोग चला एवं बाद में क्लाइव ने आत्महत्या कर ली।

कहानी
उदाहरण

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए! Candidates must not write on this margin.

हमारी कहानी की नायिका मालिनी यदि LGBTQ समुदाय से सम्बन्ध नहीं रखती तो उसका जीवन आसानी से बीतता किन्तु सामाजिक सोच ने उसके प्रति व्यवहार में परिवर्तन ला दिया।

हाल ही मे न्यायालय द्वारा LGBTQ समुदाय को मान्यता (तृतीय लिंग के रूप में) दी है (NALSA बनाम भारत संघ केस) किन्तु यह ध्यान देने की आवश्यकता है कि हमें मुफ्त में मिल रहे उपहार का दीर्घकालिक क्या प्रभाव पड़ेगा। नौकरशाहों को अपने आचरण में ऐसे उपहारों से बचना चाहिए।

कहा जा सकता है -

"फूल लौटे हो ना, उधार रख दो,
मुझमें अभी जान बाकी है।
ये फलसफा, ये सच्चो कियाजी सबबाद में,
बहुत से लोगों के अभी काम बाकी है।"

52/125

→ आपके इस निबंध मे भटकाव व कंटेंट की कमी के साथ प्रवाह का टूटना जैसी कमी है। प्रयास करते रहें।